हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार, 23 जून 2025

9 किसानों को किया गो आधारित जैविक खेती के लिए प्रेरित

10 गोरिया गांव का अंकित बना लेफ्टिनेंट

खबर संक्षेप

आज तीन घंटे गुल रहेगी बिजली

बहादुरगढ़। सेक्टर 9, 10 व आर्य नगर स्थित कई कॉलोनियों में सोमवार को तीन घंटे तक बिजली गुल रहेगी। मेंटेनेंस कार्य के चलते बिजली निगम की ओर से सुबह सात से दस बजे तक का कट घोषित किया गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने कहा है कि गर्मी के इस मौसम में लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए निगम प्रयासरत है। सेक्टर 10 में 33 केवी लाइन की मरम्मत की जाएगी। सुबह तीन घंटे यानी सात से दस बजे तक काम चलेगा। इसके चलते सेक्टर 9, 9ए, 10, बालोर, आर्य नगर, बैंक कॉलोनी, बादली रोड सहित कई कॉलोनियों में आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

वातावरण में हुई उमस ने बढ़ाई परेशानी

झज्जर। पिछले दिनों आई बरसात के बार बढ़ी गर्मी से वातावरण में उमस पैदा हो गई है। लोग दिन भर पसीने से तर-बदतर रहते हैं। रविवार को जहां दिन में तेज धूप निकली वहीं शाम के समय आसमान पर छाये बादलों के कारण तापमान में गिरावट आई। दिन का अधिकतम तापमान जहां 35 डिग्री सेल्सियस रहा वहां न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक आगामी दो-तीन दिनों में बरसात होने की संभावना है। हवा की गति धीमी होने के चलते वातावरण में उमस रही।

आईटीआई गुढ़ा में रोजगार मेला आज

झज्जर। सोमवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान झज्जर एट गुढ़ा में अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में एडीसी जगनिवास बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। आईटीआई के प्राचार्य एवं जिला नोडल अधिकारी जीतपाल ने बताया कि मेले में 50 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी।

दुकानदार को चूना लगा गया पड़ोसी

बहादुरगढ़। सेक्टर 12 में एक दुकानदार को उसके पड़ोसी ने चूना लगा दिया। शातिर पड़ोसी दस मिनट का नाम लेकर स्कूटी ले गया लेकिन वापस नहीं आया। कई दिन तलाशने के बाद अब दुकान मालिक ने उसकी शिकायत पुलिस को दी है। सदर थाना पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। वारदात सुरेश के साथ हुई है। कमल विहार के निवासी सुरेश का कहना है कि वह पेशे से बाइक मिस्त्री है। उसने सेक्टर 12 में बाइक मरम्मत की दुकानकर रखी है। हमारे यहां मार्केट में राकेश नाम का एक व्यक्ति बतौर इलेक्ट्रिशियन काम करता है। उसने मेरी दुकान में भी काम किया था। गत दस जून को वह मेरे पास आया और दस मिनट का नाम लेकर स्कूटी लेकर चला गया लेकिन वापस नहीं आया। काफी देर तक इंतजार करने के बाद भी नहीं आया तो उससे संपर्क करने का प्रयास किया। काफी तलाश किया लेकिन नहीं मिला।

ड्यूटी के लिए गई युवती लापता

बहादुरगढ़। आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र में ड्यूटी के लिए गई एक युवती लापता हो गई है। कई जगह तलाशने के बाद भी उसका कुछ अता पता नहीं है। परिजनों ने अब पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। पुलिस को दी शिकायत में मुन्ना लाल ने कहा है कि वह यहां एमआईई में रहता है। उसकी बेटी एमआईई की एक कंपनी में काम करती है। गत 17 जून को वह घर से ड्यूटी के लिए निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की। तब से लेकर अब तक तमाम संभावित ठिकानों पर तलाश चुके हैं लेकिन उसका कुछ अता पता नहीं है। उधर, एमआईई चौकी पुलिस का कहना है कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। युवती को तलाशने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भव्य भूमि पूजन समारोह में उमड़ी भीड़, राकेश जून का जताया आभार

शहर की एचएल सिटी ने ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय परिवार को दी दो एकड़ भूमि

ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र प्रमुख अंजलि दीदी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि परमात्मा शिव द्वारा संचालित सेवाकेंद्रों में सकारात्मक ऊर्जा आत्म-शुद्धि और शांति का वास स्वतः होता है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कार्यक्रम को संबोधित करती बीके अंजलि व मंचासीन अतिथि। फोटो : हरिभूमि

शहर की एचएल सिटी के निदेशक राकेश जून ने समाज में नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय परिवार को लगभग 2 एकड़ भूमि भेंट स्वरूप समर्पित की। इस भूमि पर राजयोग मेडिटेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी, जिसका भूमि पूजन समारोह रविवार को धूमधाम से श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ।

ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र प्रमुख अंजलि दीदी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि परमात्मा शिव द्वारा संचालित सेवाकेंद्रों में सकारात्मक ऊर्जा, आत्म-शुद्धि और शांति का वास स्वतः होता है। उनके अनुसार इस भूमि पर यह भव्य राजयोग मेडिटेशन भवन, हीलिंग गार्डन, लाइब्रेरी, बोर्डरूम, मीटिंग रूम आदि आधुनिक सुविधाएं तैयार होंगी। जहां समाज के सभी वर्गों के लिए मानसिक शांति, नैतिक शिक्षा और आध्यात्मिक उत्थान का वातावरण सुलभ होगा। उन्होंने इसके लिए राकेश जून व शैलजा जून का आभार जताया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी

ओम शांति रिट्रीट सेंटर गुरुग्राम की डायरेक्टर राजयोगिनी बीके आशा दीदी ने भवन की आध्यात्मिक निवृत्ति करवाई। उन्होंने 'जगत अंबा सरस्वती माता' के अंग संग के अपने अनुभव भी सांझा किए और इस क्षण को यादगार बताया। बीके विनीता दीदी ने सभी आगंतुकों का अभिनंदन किया। बीके राजश्री दीदी ने परमात्मा शिव के महावाक्य सुनाए। नांगलोई से आई आदेश दीदी ने जगत अंबा सरस्वती की महिमा, गुण व शक्तियों का सुंदर वर्णन किया। बीके रेणु दीदी व बीके अमृता दीदी ने अतिथियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विधायक राजेश जून, चेयरपर्सन सरोज राठी, भाजपा नेता दिनेश कौशिक, संजीव सैनी, जसबीर सैनी, कर्मवीर राठी, पालेराम शर्मा, दिनेश शेखावत, राजकपूर सिंह, सतीश छिकारा, रमेश राठी, सत्यप्रकाश छिकारा, संजीव मलिक, धर्मवीर वर्मा, एसएम मिश्रा, सुनील काबरा, डॉ अजय जैन, पवन जैन, अशोक मित्तल, जयभगवान वर्मा, सतपाल वत्स, राजेंद्र अरोड़ा, बीके रामसुख मिश्रा, बीके सागर व बीके डॉ. सुरेंद्र आदि मौजूद रहे। समारोह के अंत में सभी आगंतुकों को ईश्वरीय भेंट दी गई।

बहादुरगढ़। बराही रोड के निर्माण की खामियां दिखाते भाजपा नेता। फोटो : हरिभूमि

भाजपाइयों ने गिनवाई सड़क निर्माण में खामियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

आमतौर पर सत्ता पक्ष जहां शासन-प्रशासन की वाहवाही में जुटा रहता है। वहीं विपक्ष सरकारी कामकाज की खामियों को गिनाता है। लेकिन यहां विपक्ष खामोश है और सत्तापक्ष से जुड़े नेता ही विकास कार्यों में हो रही धांधली को लगातार उजागर कर रहे हैं।

पूर्व पार्षद जसबीर सैनी व विशाल छिल्लर ने बराही रोड के निर्माण में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। मिट्टी पर तारकोल की सड़क बनाई गई है। उनके अनुसार अधिकारियों को इस मामले में अवगत करवाया गया है। अधिकारियों ने 2 दिन में कमियां दुरुस्त करवाने का आश्वासन दिया है। जसबीर सैनी ने बताया कि बराही तक 3 किलोमीटर से ज्यादा सड़क बनाई गई है।

इसमें गुणवत्ता की अनदेखी की गई है। ठेकेदार व अधिकारियों का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट और लापरवाह अधिकारी भाजपा सरकार को बदनाम कर रहे हैं। इस अवसर पर सोमबीर छिल्लर, लालू, सतपाल छिल्लर, जोगेंद्र पांचाल, अतरे प्रधान, प्रवीण छिल्लर, कुलदीप सिंह, गौरव सैनी, नीरज सैनी, कप्तान व संजय छिल्लर आदि मौजूद रहे।

महिला के गले से चेन झपटकर भाग रहे युवक को पकड़ा

बहादुरगढ़। इलाके में चेन स्नेचिंग के मामले बढ़ रहे हैं। सेक्टर-13 में चेन झपटने की वारदात सुलझी नहीं थी कि अब यहां रेलवे रोड पर दिन दहाड़े एक महिला की चेन तोड़ ली गई, लेकिन इस दफा भागते वक्त शातिर युवक गिर गया और लोगों ने पकड़ लिया। सिटी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात गांव झोंझू की निवासी नविता के साथ हुई है।

- वारदात गांव झोंझू की निवासी नविता के साथ हुई सिटी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

पुलिस को दी शिकायत में नविता ने कहा है कि बहादुरगढ़ में उसका मायका है। करीब दस दिन से वह यहां आई हुई है। शनिवार की शाम को शोपिंग के लिए बाजार में आई हुई थी। जब रेलवे रोड पर थी तो एक युवक पीछे से आया और गले में पहनी सोने की चेन पर झपट्टा मारा। संयोगवश चेन टूटकर सूट में ही गिर गई और युवक वारदात में कामयाब नहीं हुआ। मैंने शोर मचाया तो वह भागने लगा। लोग जब उसे पकड़ने लगे तो वह गिर गया और उसको चोट आई। फिर लोगों ने उसको काबू कर पुलिस के हवाले कर दिया।

आरोपी का नाम साहिल बताया जा रहा है। उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उधर, सिटी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस की ओर से मामले में गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की गई है। बता दें कि बहादुरगढ़ में इस तरह के मामले बढ़ रहे हैं। गत 19 जून की शाम को सेक्टर 13 में भी बुजुर्ग महिला के गले से चेन झपटी गई थी। वह वारदात अभी अनसुलझी है।

36 घंटे बाद अकेहड़ी मदनपुर पंप हाउस पर मिले मातनहेल के पास जेएलएन में डूबे युवकों के शव

- पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंपे शव
- शुक्रवार सायं नहर किनारे मिली थी बाइक, चप्पल, मोबाइल और पर्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शुक्रवार सायं क्षेत्र के गांव मातनहेल के पास से गुजर रही जेएलएन में नहाने के लिए गए युवकों के शव रविवार सुबह अकेहड़ी मदनपुर पंप से बरामद हुए। पुलिस द्वारा दोनों युवकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया गया। मामले के जांच अधिकारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों युवक नहर में नहाने के लिए गए थे। नहर किनारे मिली उनकी बाइक, मोबाइल, चप्पल व पर्स के आधार पर उनके डूबने की आशंका जताई जा रही थी। इस संबंध में परिजनों द्वारा उनके लापता होने की शिकायत भी पुलिस को दर्ज कराई थी। जिसके बाद एनडीआरएफ टीम की सहायता से लापता युवकों की नहर में तलाश की जा रही थी। अब करीब 36 घंटे बाद उनके शव अकेहड़ी मदनपुर पंप हाउस में मिले है। मृतकों का पोस्टमार्टम कराने के बाद दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं लापता होने की सूचना के बाद शनिवार को दिनभर गोताखोर और वाटर बोट के माध्यम से कई टीमें युवकों की तलाश में जुटी थी।

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

बता दें कि क्षेत्र के गांव आजाद नगर निवासी अमित और विकास गांव खापड़वास में लकड़ी का काम सीखने के लिए जाते थे। शुक्रवार सांय वे दुकान से जेएलएन में नहाने के लिए गए थे जो वापिस घर नहीं लौटे तो परिजनों द्वारा उनकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस को दी शिकायत में प्रवेश पुत्र रमेश कुमार ने बताया कि उसका भाई अमित अपने गांव के ही साथी विकास पुत्र चमनलाल के साथ खापड़वास गांव के नजदीक पवन की दुकान पर फर्नीचर का काम करते हैं। वे दोनों शुक्रवार की सुबह करीब दस बजे घर से दुकान पर गए थे। शाम करीब छह बजे उन्हें पता चला कि मानतेहल नहर में खापडवास से मातनहेल रोड पर पुल के ऊपर अमित की बाईक, दोनों के चप्पल, मोबाइल व पर्स नहर के पास बाहर पड़े है। दोनों की तलाश की गई, लेकिन वे नहीं मिले। प्रवेश ने बताया था कि उन्हें शक है कि कहीं वे नहर में ना गिर गए हों।

नयागांव में फंदा लगाने से प्रवासी की मौत

बहादुरगढ़। नयागांव में फांसी लगाने से एक प्रवासी व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। परिजनों के बयान के बाद शव के पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू हो पाएगी। मृतक की पहचान करीब 22 वर्षीय शंभू हलदर के रूप में हुई है। मूल रूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, वह पिछले कुछ समय से यहां नयागांव में किराये पर रह रहा था। दिहाड़ी, मजदूरी करता था। रविवार को वह अपने कमरे में फंदे पर लटका हुआ मिला। किसी की नजर पड़ी तो उसे संभाला गया लेकिन देर हो चुकी थी। सूचना पाकर सदर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया और शंभू के परिजनों को सूचना दी। फंदा लगाने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। परिजनों के बयान और जांच के बाद पुष्टि हो सकेगी। पुलिस का कहना है कि परिजनों को सूचना दे दी गई है। परिजनों के बयान के बाद शव का पोस्टमार्टम होगा। उनके बयान के आधार पर ही मामले में आगामी कार्रवाई होगी।

- संगठन महामंत्री ने आश्वासन दिया कि भाजपा पार्षदों की अनदेखी नहीं होगी

बहादुरगढ़। संगठन महामंत्री से मुलाकात करते भाजपा समर्थित पार्षद। फोटो : हरिभूमि

पार्षदों ने की संगठन महामंत्री से मुलाकात

बहादुरगढ़। रविवार को भाजपा समर्थित पार्षदों ने अपने वार्डों की समस्याओं को लेकर भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री फणींद्र नाथ शर्मा से मुलाकात की। पूर्व पार्षद हरिमोहन धाकरे, पार्षद अशोक शर्मा, अश्वनी शर्मा, राजेश मकड़ोली और अनिल सिंगल ने बारी-बारी से अपने वार्डों की समस्याओं को उनके समक्ष रखा। संगठन महामंत्री ने आश्वासन दिया कि भाजपा पार्षदों की अनदेखी नहीं होगी। पार्षदों ने संगठन महामंत्री का अभिनंदन करते हुए आभार जताया।

नप चेयरमैन ने सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रविवार को नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने शहर का दौरा करते हुए विकास कार्यों का जायजा लिया, वहीं लोगों की समस्याओं को भी सुना। शहर के वार्ड नंबर दो का दौरा करने के दौरान लोगों ने बताया कि उनकी गली कच्ची है और बरसात के दिनों में पानी भर जाता है। जिसके कारण काफी परेशानी होती है। जिसको लेकर नप चेयरमैन ने जल्द गली का निर्माण कार्य करवाने का आश्वासन दिया। वहीं वार्ड नंबर 18 की मारूति कॉलोनी में लोगों ने बताया कि गली में लगाई गई इंटरलॉकिंग टायल ठीक तरीकें से नहीं लगाई गई है। टायलों की लेवलिंग ठीक नहीं है। जिसको लेकर नप चेयरमैन ने संबंधित ठेकेदार को लेवलिंग कार्य जल्द ठीक करने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने शहर में चल रहे विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। कार्य में लापरवाही करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान वार्ड नंबर 18 से पार्षद जयपाल सिंह बांगड़, वार्ड नंबर दो से पार्षद प्रतिनिधि जय सिंह, वार्ड नंबर 11 से पार्षद प्रतिनिधि नवीन छाबड़ा भी उपस्थित रहे।

झज्जर। शहर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण करते हुए नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़, भापड़ोदा और लोवा खुर्द ने जीते फुटबॉल मुकाबले

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव लोवा खुर्द में फुटबॉल लीग का आयोजन जारी है। रविवार को भी लीग में 16 रोमांचक मुकाबले हुए। शानदार प्रदर्शन करते हुए भापड़ोदा, बहादुरगढ़ व लोवा खुर्द की टीमों ने अपने मुकाबले जीते।

अंडर-10 में लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब ने इंडस आयरन को 5-0 से हराया। इंड्स कीकर ने दुल्हेड़ा को 8-3, इंडीज रेपिड ने भापड़ोदा को 3-0 के अंतर से शिकस्त दी। दुल्हेड़ा ने एलकेएससी स्टार को 5-0 से हराया, जबकि सिटी बहादुरगढ़ ने खेडी जट को 5-0 से हराया।

अंडर-12 में लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब ने इंड्स काइट्स को 3-0 से हराया। इंड्स ड्रीमर और इंड्स स्ट्रोम्स का मैच बराबरी पर रहा। दुल्हेड़ा ने भापड़ोदा को 2-1 से हरा दिया। इंड्स सोल ने एलकेएससी स्टार को 5-0, सिटी बहादुरगढ़ ने खेडीजट को 3-0 तो इंड्स सोल को इंडीज ड्रीमर ने 1-0 के अंतर से हराया। अंडर-14 में दुल्हेड़ा ने भापड़ोदा को 6-1, सिटी बहादुरगढ़ ने जहांगीरपुर को 3-2 से हराया। इंड्स डव ने एलकेएससी स्टार पर 6-2 के अंतर से जीत दर्ज की। वहीं, लोवा खुर्द स्पोर्ट्स क्लब ने इंडस सन को 5-0 तो जहांगीरपुर ने एलकेएससी स्टार को 6-1 से हराया। निखिल, हर्षित, आकाश, तनी, नमन, आदी, श्लोक, टीनू ने रेफरी की भूमिका निभाई। कमेटी प्रधान नरेश, बीजे, कोच प्रदीप, कोच विनय, कोच जयवीर, संदीप आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। मैच के दौरान गोल का प्रयास करते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

अगस्त से शुरू होगी लड़कियों की लीग

कोच सुदर्शन ने बताया कि अगस्त माह में लड़कियों की फुटबॉल लीग करवाई जाएगी। कमेटी प्रधान नरेश ने बताया कि बच्चों की संख्या अधिक होने के कारण खेल समिति ने लोवा खुर्द के एक और फुटबॉल ग्राउंड में अंग्रेजी घास लगवाने का काम शुरू कर दिया है। अब यहां पर एक नहीं तीन फुटबॉल ग्राउंड होंगे, जिससे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी अभ्यास कर सकेंगे।

हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस को गाड़ी में मिली अवैध शराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

लाइनपार क्षेत्र में शराब से भरी कार और टेंपो की टक्कर हो गई। इस हादसे में टेंपो में सवार दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने शराब से भरी गाड़ी सहित दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ लाइनपार थाने में केस दर्ज किया गया है।

लाइनपार थाना प्रभारी पवनवीर के अनुसार, दीवान निवासी मुकुंदपुर ने शिकायत देते हुए बताया कि वह और उसका भाई टेंपो में सब्जी लेने के लिए बहादुरगढ़ की मंडी में जा रहे थे। जब हम सुल्तान वाटिका के पास पहुंचे तो एक यूपी नंबर की गाड़ी ने सीधी टक्कर हमारी गाड़ी में मारी। इससे हमारी गाड़ी पलट गई और हमें काफी चोट आई। हमें पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। वहीं, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और एक्सीडेंट गाड़ी का निरीक्षण किया। जांच के दौरान यूपी नंबर की कार में से अवैध शराब की 40 पेटियां मिली। मामले में दो आरोपी भी पकड़े गए हैं। इनकी पहचान अमन और पवन निवासी दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जुम्मन जब हज करने गए थे , तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है। **- मुंशी प्रेमचंद**

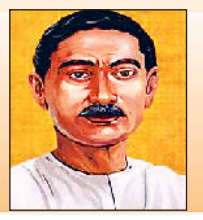

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण।

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

गृहणियां अक्सर एक ग्लॉरीफ़ाइड नौकरानी भर रह जाती हैं!

दुल्हन भाभी का सूटकेस बेड पर खोल कर, ब्याह में आई सभी ननदें घेरा बनाकर बैठ गईं।

"अरे ! ये बैंगल बॉक्स तो कितना सुंदर है! और कंगनों के सेट भी इसके अंदर जैसे बहुत खोजकर सजाए हैं। ये गुलाबी तो चूड़ियां हैं कि मोतियों की लड़ियां ?"

मँझली बुआ सास की बेटी कहती है "ये मेरा अपने आप को शादी का गिफ्ट है। इसे तैयार करने में बाज़ार के कितने चक्कर लगाने पड़े !"

"ये तो अब मेरा हुआ !" सगी ननद चंचल ने पूरा बॉक्स उठा लिया और बंद कर, बाँह के नीचे दबा लिया।

"अरे! अरे ! कहाँ उड़ाये लिए जाती हो ? नज़र भर देखने तो दो !" छोटी बुआ श्रद्धा कहती हैं जो उम्र में विवाहित ननदों से कुछ ही बड़ी थीं और इसी गुट में डटी रहती थीं। चिढ़ने वाली पाहुनी मौसी सास सुबह ही कह रही थीं, "सींग कटाकर बछड़ों में शामिल!"

श्रद्धा बुआ टोकती ही रह गईं और चंचल ये जा वो जा! वे कोई फड़कता हुआ व्यंग्य करतीं लेकिन तभी उनका ध्यान दुल्हन की दूसरी ब्याहता ननद कंचन पर गया जो सूटकेस को ऐसे उलट-पुलट रही थी जैसे चंचल का मुनाफा उसका नुकसान है। अब इससे भी ज्यादा मुनाफा न हो तो लानत है उसकी चतुराई पर।

"ये सिंदूरी साड़ी मैं लूँगी !"

सूटकेस में जो सबसे मूल्यवान बनारसी साड़ी दिख रही थी, बड़ी ननद कंचन ने वो निकाल कर तुरंत अपने बैग में डाल दी। बगल में चचेरी-ममेरी-फुफेरी ननदें, दुल्हन को सुन-सुनाकर फुसफुसाती रहीं, "ये दोनों कितनी लालची हैं !"

"अरे ! अभी तो बस इनका ही रंग देखा है बहू ने; इनकी माँ का नहीं देखा !"

...और माँ वेणी वाकई बेटियों चंचल और कंचन से दो कदम आगे थी !

शाम को बहू से कहा, "अरे, शादी में कितनी अंगूठियाँ मिली हैं जरा उतार कर दो तो; पाहुनियों को दिखानी हैं।"

बहू ने छह अंगूठियाँ उतार कर दे दीं। सास बाहर ले गई और थोड़ी देर बाद लौटा ले आई।

"लो पहन लो, अपनी अगूठियाँ।"

बहू देख रही है; छह अंगूठियाँ लेकर गई थीं, पाँच लौटा रही हैं सो भी एक-एक को गौर से देखती-तोलती-सी।

क्या वो कह दे कि एक अंगूठी कम है? एकाएक चोरी का इल्जाम कैसे लगा दे ऐसे ! सोच रही थी कि रात में पति योगेश से बात करेगी।

लेकिन यहाँ तो ये हाल था कि लंका के छोटे वीर, वे भी उनचास हाथ के! वही सोने की अंगूठी पतिदेव ने दीप्ति को घूँघट उठाते समय पहना दी।

...उसका दिल टूट गया !

कैसी धूर्त ससुराल मिली है ! लेकिन अब पैरों के नीचे की ज़मीन यही है; मायके में तो अम्मा ने कभी महसूस ही न होने दिया कि दोनों भाई-भाभियों के अलावा भी वो घर किसी का है! शादी से बरस भर पहले जब बी.एड. की उसकी फीस का सवाल था तो उन्होंने साफ मना कर दिया था,

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण। मायके से बी.ए. पास करके जा रही हो; इतना भी बहुत है! आगे और जो अरमान हों, अपने घर जाकर पूरे करना। और इस साल तो वैसे भी मेरा घुटने का ऑपरेशन है। तुम कॉलेज जाओगी तो घर का सब काम कौन करेगा ? बड़ी बहू दिल्ली में, छोटी अपने बच्चों में उलझी रहती है। ऐसा करो अब ये पढ़ाई-वढ़ाई बंद करो। और इस साल मन लगाकर घर-गृहस्थी सीखो! हर समय हाथ में किताब लिए फिरती हो। रसोई में मन लगाओ ! कल को ससुराल जाओगी तो क्या हमारी नाक कटाओगी !"

लेकिन फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही, कॉलेज भी जाती रही और भावी ससुराल जाने की तैयारियाँ भी साथ-साथ चलती रहीं। भाभियाँ आपस में कहतीं, "कितनी चंट है ये लड़की ! अम्मा हज़ार काम बताती रहें, ये अपनी पढ़ाई-लिखाई, अपनी तरक्की नहीं छोड़ती!"

"हूँह! लेकिन तरक्की का सब खर्चा अभी तो मायके वालों के सिर है सो दीप्ति बिन्नू की पौ बारह है! बी.एड. के पहले साल के ये दोनों सेमिस्टर तो हो जाएंगे। अगले साल देखेंगे, ससुराल वाले फाइनल की फीस भरेंगे कि नहीं ! चालीस हज़ार कोई कम रकम तो नहीं होती !"

"फीस क्यों न भरेंगे ? पढ़ लिखकर बहूरानी नौकरी करेगी ! क्या ही पता, सरकारी नौकरी लग जाए ! सोने की मुर्गी को भला कौन नहीं चाहता !"

"अभी नहीं बनी सोने की मुर्गी; अभी तो चूज़ा है ! अभी तो खर्चा ही खर्चा है। और रुपये की जड़ कलेजे में होती है। पता नहीं, उन लोगों की मंशा क्या निकले ? वे आगे पढ़ाएंगे भी कि नहीं ? नौकरी तो बाद की बात है। सुनते हैं, होने वाली सास तो बहुत ही तेज़ है। ब्याहता ननदों का भी बड़ा दखल है घर में।"

शादी के समय दीप्ति को भी यही चिंता थी। "आगे मेरी बी.एड. फाइनल की फीस का क्या होगा ?"

फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही।

सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही, कॉलेज भी जाती रही और भावी ससुराल जाने की तैयारियाँ भी साथ-साथ चलती रहीं। भाभियाँ आपस में कहतीं, "कितनी चंट है ये लड़की ! अम्मा हज़ार काम बताती रहें, ये अपनी पढ़ाई-लिखाई, अपनी तरक्की नहीं छोड़ती!"

"हूँह! लेकिन तरक्की का सब खर्चा अभी तो मायके वालों के सिर है सो दीप्ति बिन्नू की पौ बारह है! बी.एड. के पहले साल के ये दोनों सेमिस्टर तो हो जाएंगे। अगले साल देखेंगे, ससुराल वाले फाइनल की फीस भरेंगे कि नहीं ! चालीस हज़ार कोई कम रकम तो नहीं होती !"

"फीस क्यों न भरेंगे ? पढ़ लिखकर बहूरानी नौकरी करेगी ! क्या ही पता, सरकारी नौकरी लग जाए ! सोने की मुर्गी को भला कौन नहीं चाहता !"

"अभी नहीं बनी सोने की मुर्गी; अभी तो चूज़ा है ! अभी तो खर्चा ही खर्चा है। और रुपये की जड़ कलेजे में होती है। पता नहीं, उन लोगों की मंशा क्या निकले ? वे आगे पढ़ाएंगे भी कि नहीं ? नौकरी तो बाद की बात है। सुनते हैं, होने वाली सास तो बहुत ही तेज़ है। ब्याहता ननदों का भी बड़ा दखल है घर में।"

शादी के समय दीप्ति को भी यही चिंता थी। "आगे मेरी बी.एड. फाइनल की फीस का क्या होगा ?"

नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी। पर इसमें क्या नया है ? ससुराल वाले नई बहू से नौकरानी जैसा ही बर्ताव तो करते हैं। सोच ये रहती है कि शुरू में ही दबा लो फिर पूरी जिंदगी सुख से सेवा करवाओ। नहीं तो, जो शुरू में सिर पर चढ़ गई तो उम्र भर नाचेगी नहीं बल्कि नचाएगी! दीप्ति लेकिन अपने लिए एक ऐसा भविष्य देखती है जो आसपास के माहौल से हटकर है। वो पति की साथी बनना चाहती है; बूढ़े सास-ससुर का सहारा। इसके अलावा, उसका अपना एक जीवन हो, पहचान हो, आत्म निर्भरता हो और सबसे बढ़कर सम्मान हो!

दीप्ति पीतल का टेबल लैम्प और गमले नींबू, राख और दही से साफ कर रही है। बैठक की हर चीज़ अब तक वो ही साफ करती रही थी। अपनी सोच में गुम है, क्या अम्मा से बात करे या पापा से ही फिर कहे! बड़े भैया को भी तो फोन कर सकती है दिल्ली। उनकी तो सरकारी नौकरी है फिर भी तो खर्च खेती और पापा की पेंशन से उठता है। क्या छोटी बहन को इतना भी न दे सकेंगे? जब बी.एड. के बाद उसकी नौकरी लगेगी तो चुका देगी। ये बात तो वो प्रदीप भैया से भी कह सकती है। अभी ही तो भाभी दिखा रही थीं उसे अपना नया लॉकेट, जो कहने को तो वे अपने मायके से लाई हैं; लेकिन वो असलियत जानती है कि भैया ने उन्हें बनवा कर दिया है!

लैम्प और गमले सब धो-माँजकर उसने एक ओर टिका दिए धूप में, हमेशा की तरह; और बैठक में जाकर बल्ब, डोरी, प्लग लाने चली गई ताकि उसे लैम्प में फिर से फिट कर सके। लौटकर देखती है कि पीतल का सब सामान गायब!

"अरे अम्मा ! लैम्प, गमले सब कहाँ गए ?"

"तुम्हारी भाभी ले गई अपने कमरे में ?"

"क्यों ?"

"ले जाने दे; तू क्यों पूछती है? क्या अपने घर ले जाने की मंशा थी ?"

ये इल्जाम! दीप्ति का दिल फिर टूट गया। आगे उसका यहाँ आना मेहमानों-सा रह गया। जब भी आती, अम्मा चिंतित-सी होकर पापा से पूछती, "दीप्ति को कितने की विदाई देनी है ?"

- क्रमश...

कविता

अरुण आशरी

व्यथा एक पेड़ की

खुले आसमान तले
मैं भी कभी इतराता था
ऊँचा उठने की होड़ में
पूरी गर्मी झेल जाता था
मेरी छाँव तले
कितने ही मुसाफिर
राहत की साँस ले पाते थे
मन ही मन
शुक्रिया अदा कर
आगे बढ़ जाते थे ,
बच्चे भी नादानियों की
बरसात लेकर आते थे
तरह-तरह के खेल खेलकर
मेरे सर तक चढ़ जाते थे
कभी मेरी बाँहों की डाल पर झूलते
कभी झूलते-झूलते
जमीं पर कूदते
आनंद की सीमा भी लांघ जाते थे
तब कहीं जाकर अपने घर जाते थे
मैं भी रात को ही
चैन की नींद ले पाता था
मन ही मन अपने भग्य पर इतराता था
अगली सुबह फिर
नई ताजगी के संग उठ जाता था,
इंसान भी,
जहाँ मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता था
सुन्दर, मनोहर जैसे शब्दों से
मुझे अलंकृत कर जाता था
और फिर घर भी वहीँ बनाता था ।
आज वही इंसान
जहाँ कहीं भी
मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता है
सबसे पहले उन्हें कटवाता है
फीते से जगह नपवाता है
बहुत सुन्दर जगह का
अलंकरण अब भी दे जाता है
पर घर वहीं बनाता है ।
प्रदूषण का खंजर
अब मेरे खून से सनाँ है
मेरी अब की हालत
कुछ इस तरह बयाँ है,
कोई भी मुसाफिर
अब यहाँ नहीं आता है ,
बच्चा भी बस
दूर से ही देख चला जाता है ।
प्रदूषण की मार
इस क़दर मुझे रुला गई,
मुझे भी इक बात समझ में आ गई,
खुले आसमान तले भी मैं,
इक पिंजरे में बंद हूँ,
जब लोग दिल में दिमाग रखते हैं,
तो मैं कहाँ का अक्लामन्द हूँ।

गीत

डॉ . पंकज गौड़

हे युवा स्वयं का निर्माण कर

बंद कर छद्म युद्ध,शांति से बनेगा बुद्ध
हर धर्म के प्रति,मन में मान भर
जान ले तू,खुद को,वीरता समुद्र को
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

जुल्म की है इंतिहा,रास्ते कठिन तो क्या
हर नगर;डगर नया गुमान दे।
कोई कहीं से गया,तुझे उससे क्या गिला
नित्य नव्य पंथ तू निकाल ले।

आंसू ले गरीब के,जुल्म मिटा करीब के
झोपड़ी में दीप का तू दान कर।
खेत के किसान को,सीमा पे जवान को
हर घड़ी हृदय से रख,सलाम कर।

दर-दर की हर खबर रखते हो तुम मगर
दीप क्यों बुझे है स्वाभिमान के ?
रक्त मांगती धरा,बुत ना हो, नजर मिला
हो प्रसन्न प्राण अपने वार कर।

खुद,खुद से युद्ध कर,आत्मा को शुद्ध कर
ज्ञान से तमस हटा,अलख जगा।
ज्ञात से अज्ञात तक,रात से प्रभात तक
साथ दें, हमकदम गले लगा।

अथाह की तू थाह ले,चाही अपनी राह ले
उधार के विचार नहीं काम के।
खोज के जतन से,मौज से; मनन से
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

लघुकथा

सविता गोयल

तपन

का, इतनी भरी दोपहरी में कहाँ जा रहे हो ? बाहर लू चल रही है, बीमार हो जाओगे ।

'बिटवा, जब घर में चूल्हा ठंडा पड़ा हो तो ये सर्दी-गरमी कहाँ हमरे बदन को छूवत है । पेट की आग बुझावे के खातिर बदन को थोड़ा तपाने में का हरज है । दो पैसा कमाकर घर में लाएंगे तो घर में चूल्हा जलेगा । बच्चा लोग का पेट में रोटी और चेहरा पर शांति देखेंगे तो ई सारी तपन ठंडी हो जावेगी। , कहते हुए उस झुलसती दोपहरी में भी रघु काका ठेला लेकर काम ढूंढने निकल पड़े ।

कविता

राजेश 'भारती'

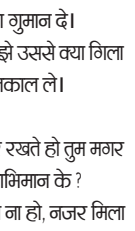

रोटी का हिस्सा

रोटी बनाते वक़्त, माँ अक्सर कहती थी
थोड़ा-सा आटा बचा लिया कर
पंछी भी भूखे नहीं रहने चाहिए

अब मैं शहर में रोटी तोड़ता हूँ
पर खिड़की के बाहर, पंछी नहीं
बस धूल उड़ाती गाड़ियाँ हैं

क्या बचाऊँ मैं ? माँ की वो बात
या वो भूख, जो अब मेरे भीतर भी
कहीं पंख फड़फड़ाती है।

कवि और गीतकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य की चुनौतियों को लेकर कहना है कि इस इंटरनेट युग में हर कोई सोशल मीडिया पर अपनी अभिरुचि की सामग्री तलाश कर ज्ञान पाना चाहता है, लेकिन यह सत्य है कि गुरुओं के सानिध्य के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए इस बदलते परिवेश में वरिष्ठ साहित्यकारों और लेखकों की पुस्तकों का अध्ययन करने से लेखनी को यशस्वी किया जा सकता है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

मानवीय मूल्यों को जीवंत रखने में साहित्य अहम : वीरेन्द्र 'मधुर'

भारतीय संस्कृति में सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य संवर्धन की भी अहम भूमिका मानी जाती है। इसलिए साहित्य के क्षेत्र में लेखक और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य सृजन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शामिल वरिष्ठ साहित्यकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा भी सामयिक विषयों और सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर कविताएं, गीत, गजल, मुक्तक और आलेख जैसी रचनाओं के संसार को दिशा देने में जुटे हैं। उन्होंने हिंदी और हरियाणवी भाषा में साहित्यिक साधना के साथ सामाजिक सेवा को भी सर्वोपरि रखा है। वरिष्ठ साहित्यकार, कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र 'मधुर' ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिनमें साहित्य संवर्धन में सभी भाषाओं के सम्मान के साथ मानवीय मूल्यों को जीवंत रखना संभव है। वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि वीरेन्द्र 'मधुर' का जन्म 1 जनवरी 1958 को यूपी के मुजफ्फरनगर में रामेश्वर प्रसाद शर्मा एवं सुशीला देवी के घर में हुआ।

परिवार में हालांकि कोई साहित्यिक माहौल नहीं था, लेकिन उनके दादा मूल चंद शर्मा शिक्षक रहे। वीरेन्द्र की प्राथमिक शिक्षा शहर की प्राइमरी पाठशाला में हुई, जहां उनके प्रथम गुरु मोहम्मद इकबाल बने। इन्हें पहली बार साल 1968 में कक्षा पांच के दौरान स्कूल में मंच मिला। स्कूल में वे साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी मंचन के साथ ड्रामा, डांस और गाना बजाना भी भी करने लगे। उन्होंने कक्षा छह से आठ तक स्कूल में अंताक्षरी, वाद-विवाद और अभिनय में हमेशा प्रथम स्थान हासिल करके हैट्रिक अपने नाम की। रसायन विषय से एमएससी की डिग्री के बाद उन्होंने सरकारी और गैर सरकारी केमिकल प्रतिष्ठानों 32 साल तक नौकरी और व्यवसाय किया। इसके बावजूद उन्होंने अपनी साहित्यिक और सांस्कृति अभिरुचि से नाता नहीं तोड़ा और हारमोनियम और तबला भी सीखकर अपनी विधा को लगातार धार दी। बकौल वीरेन्द्र कुमार शर्मा, उन्होंने साल 1974 में रचना गीत जब पीहू पीहू, इस रेत के शहर में, रिमझिम आया सावन, कहां से लाऊं बचपन अपना, जैसे गीत लिखना शुरू किया, जिन्हें सराहते हुए एक प्रख्यात कवि ने उन्हें मधुर नाम दिया। उनके ये गीत काफी प्रचलित भी हुए। साल 1985 में वह परिवार के साथ हरियाणा के रोहतक आए, जहां उन्होंने एक कैमिकल प्रतिष्ठान में नौकरी की और उसके बाद रोहतक में ही बस गये। परिवार में बेटों के रोजगार लगने के बाद वे अपने साहित्यिक लेखन को आगे बढ़ाते रहे और हरियाणवी संस्कृति में रमना शुरू कर दिया। हालांकि उन्हें हरियाणा में भाषा विशेष के कारण परेशानी का भी सामना किया, जहां अलग पड़े धड़ों में हिंदी गीत को रागिनी के प्रचलन में रखना एक कठिन डगर रही लेकिन उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और साहित्य सृजन में तपस्या, मेहनत और अभ्यास ने उनके साहित्यिक लक्ष्य को बुलंदियां दी।

उन्होंने म्हारे गाम की छोरी, कदे कदे न्यू धड़के सै, जैसे अनेक हरियाणवी गीत व कविताएं भी लिखी हैं। उनकी रचनाओं का फोकस सामयिक और सामाजिक सरोकारों के मुद्दों, अंधविश्वास, मानव एकता, देशभक्ति जैसे विषयों पर रहा है। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी और काव्य मंच के संयोजक व संचालन का दायित्व निभाना उनके लिए गर्व का विषय है। उनका सौभाग्य रहा कि उन्हें वरिष्ठ साहित्यकारों व कवियों के साथ मंच साझा करने और काव्य पाठ करने का मौका मिला। इन्होंने साल 2017 में दुबई (यूएई) की विदेश यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति से जुड़े गीत और काव्य पाठ किया है। वह रोहतक की कला परिक्रमा, पंजाबी साहित्यकार मण्डल, विजन फाऊण्डेशन, टैगोर काउंसिल आफ आर्ट रोहतक जैसी कई साहित्यिक, सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

वहीं वे संस्कार भारती रोहतक जिला इकाई के साहित्य प्रमुख भी रह चुके हैं। आकाशवाणी, डीडी न्यूज जयपुर और आकाशवाणी नई दिल्ली व हिसार से भी उनकी कविताओं और गीतों का प्रसारण हो चुका है। उनकी रचनाएं देश के प्रतिष्ठत पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

गीतकार वीरेन्द्र मधुर की प्रकाशित एक दर्जन पुस्तकों में गीत संग्रह 'गलता हुआ हिमानी', 'भ्रूण के पहरुए', 'कोहराम जिंदगी का', कविता संग्रह आसमान लुटता है व साँझ मेरे आँगन आयी, गजल संग्रह आवाज का जंगल, कहानी संग्रह वापस गांव की ओर, भक्तिगीत काव्य संग्रह हरि मन मनके सुर्खियों में हैं। उन्होंने काव्य संग्रह मुक्तक वाटिका और बच्चों के लिए हंसता बचपन शीर्षक से भी पुस्तक लिखी हैं। इन्होंने कला परिक्रमा संग्रह रचनाएं भी लिखी हैं।

वीरेन्द्र 'मधुर'

पुरस्कार व सम्मान

वरिष्ठ कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र मधुर को साहित्यिक सेवाओं के लिए अनेक पुरस्कार मिले हैं। प्रमुख रूप से उन्हें हिन्दी साहित्य श्री सम्मान, हंस पुरस्कार, अजमेर मोर स्मृति साहित्य सम्मान, काव्य-भूषण सम्मान, साहित्य सम्मान, प्रज्ञा साहित्य मंच का 'साहित्य सोम' सम्मान मिले हैं। वहीं जयपुर, मेरठ, नांदूरा, हिंदी साहित्य अकादमी दिल्ली, कला संगम दिल्ली, भारतीय महोत्सव समिति श्रीगंगानगर जैसी सामाजिक एवं साहित्यिक संस्थाओं से सम्मान दिया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : वीरेन्द्र 'मधुर'
जन्मतिथि : 1 जनवरी 1958
जन्म स्थान : मुजफ्फरनगर (यूपी)
वर्तमान निवास : रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : एम.एस.सी. (रसायन)
संप्रति : लेखक, कवि एवं गीतकार

सावन का दर्पण है 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य'

पुस्तक : मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झन्डई
मूल्य : 299 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन, जयपुर

पुस्तक समीक्षा

सुशील सैनी

लघु कविता संग्रह 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य' में रचनाकार डॉ. हरीशचंद्र झन्डई ने प्रकृति का बखूबी वर्णन किया है। संग्रह में तमाम कविताएं मुम्बई शहर पर आधारित हैं। कवि के अनुसार उन्हें खराब स्वास्थ्य के चलते मुंबई महानगर में जाकर रहना पड़ा, तब सावन का महीना था। इसी दौरान इन लघु कविताओं को लिखने की प्रेरणा मिली।

कवि ने शायद इसी कारण इस संग्रह में मुंबई के सावन को लघु कविताओं का आधार बनाया है। उदाहरण देखिए, 'सावन की मस्ती' में - लगती है जब सावन झड़ी/ टिप-टिप करती हैं बारिश की बूँदें।' सावन में धरती बारिश से भीग जाती है, (सावन से भीगी धरती)। धूप में बरसता सावन के बूँदों की/चमक है निराली (धूप में बरसता सावन)। कवि ने वर्षा का चित्रण इस प्रकार किया है- छम-छम करती वर्षा/ठण्डी-ठण्डी हवाएँ (वर्षा की फुहारें)। बरसात रुक-रुक कर हुई तेज़ वर्षा/बरस रहे मेघ (बरस रहे मेघ) कई बार बादल आसमान घेर लेते हैं- घिर-घिर आये/सावन के बादल/गरजते, बरसते (बादलों ने आसमान को घेरा)।

इसी प्रकार, सावन की बारिश में भीगी भीगी लड़की/प्राकृतिक सौंदर्य से चेहरे पर भी मुस्कान। सावन की हवाएँ, सुहावनी हवाएँ भी कह रहीं और सुहावनी रात गीत गाती हैं (सुहावनी रात)। हम कह सकते हैं कि इस संग्रह की ज्यादातर कविताएं बारिश का ही वर्णन करती प्रतीत होती हैं। तरह-तरह की इनकी है/ प्राकृतिक रँग-बिरँगी पोशाक (पक्षियों की प्रकृति) और 'सावन में पक्षी 'उड़ते हैं- पक्षियों की होती है उड़ान / एक दिशा से दूसरी दिशा तक। ऐसे समय में प्रवासी पक्षी भी दिखाई देते हैं- आते हैं प्रवासी खूबसूरत पक्षी (खूबसूरत पक्षी) 'चली हवाएँ और 'बहारों के सपने' में कवि ने मंद-मंद हवा और फूलों की बात कही है। 'पतझड़' में छाया है निराला पतझड़/कल आएगा बसन्त लेकर, कवि के आशावादी दृष्टिकोण को दिखाता है। बरसात के अतिरिक्त कवि ने मुम्बई के दर्शनीय स्थलों जैसे 'जुहू चौपाटी' और 'मरीन ड्राइव' 'एलीफैंट गुफ़ाएं' पर भी लेखनी चलाई है। 'पेड़ लगाओ काटना बंद करो' के जरिए कवि ने पौधरोपण का भी आह्वान किया है। वे कहते हैं- विकास से प्रदूषित है पर्यावरण/ दहक रहे जंगल सिसक रहा है पर्यावरण (दरकते जंगल सिसकता पर्यावरण)। इस संग्रह में करीब एक सौ लघु कविताएं सम्मिलित हैं। इनकी भाषा सहज और सरल है। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

कमरे के बाहर खड़ी बाइक ले गए चोर

जाटूसाना। रेलवे स्टेशन के सामने चोर एक कमरे के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में महेंद्रगढ़ के निंबी निवासी अक्षय कुमार ने बताया कि वह लुहारी वेयारहाउस में काम करता है। रेलवे स्टेशन के सामने उसने कमरा किराए पर लिया हुआ है। रात को चोर कमरे के सामने खड़ी उसकी बाइक चोरी कर ले गए। पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में एक व्यक्ति उसकी बाइक चोरी करते हुए दिखाई दे रहा है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

घर से लापता युवती का सुराग नहीं

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना अंतर्गत एक गांव से 21 जून को लापता हुई युवती का सुराग नहीं लगा। पुलिस शिकायत में गांव निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि वह एक सोसायटी में नौकरी करता है। उसकी भांजी गांव में उसी के घर में रहती है। 21 जून को रात के समय अपनी ड्यूटी पर गया था। सुबह घर वापस आने पर उसे उसकी भांजी घर पर नहीं मिली। तलाश करने के बाद भी उसकी भांजी का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद युवती की तलाश शुरू कर दी।

पेट्रोल पंप पर खड़ा टाटा ट्रक चोरी

धारूहेड़ा। बेसटेक सोसायटी के पास एक पेट्रोल पंप पर खड़ा ट्रक चोरी हो गया। पुलिस शिकायत में सोसायटी में रहने वाले सतपाल ने बताया कि उसके पास टाटा कंपनी का हेवी ट्रक है। उसने अपना ट्रक दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे के पेट्रोल पंप पर खड़ा किया था। रात के समय उसका ट्रक चोरी हो गया।

हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों को अंजाम देने के बाद फरार हुए दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने 30 अप्रैल को हुए हादसे में फरार चालक निखरी निवासी दिपांशु को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

पोक्सो एक्ट के तहत एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए ने पोक्सो एक्ट के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर 20 जून को यूपी के मुरादाबाद निवासी नरेश कुमार के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल भी कराया था। केस दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था।

घर से काम पर गया युवक हुआ लापता

रेवाड़ी। कोरियर का कार्य करना वाला बूढ़पुर का एक 28 साल का युवक 19 जून को काम पर गया था। वह घर नहीं लौटा। अनजान नंबर से उसकी पत्नी के फोन पर आई मिस कॉल पर डायल करने के बाद उसके पति को पीटकर खाटूश्याम में छोड़ने की बात कही गई। पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद युवक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। सदर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बूढ़पुर निवासी नीलम देवी ने बताया कि उसका पति दीपक कोरियर का कार्य करता है।

किसानों के लिए सर्टिफाइड जैविक प्लेटफार्म तैयार होगा

किसानों को किया गो आधारित जैविक खेती के लिए प्रेरित

- सरकार डीएसआर विधि से धान की बुआई करने पर किसान को साढ़े चार हजार रुपये की प्रोत्साहन देती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। बैठक के उपरांत उपस्थित भारतीय किसान संघ के सदस्य एवं पदाधिकारी।

भारतीय किसान संघ की जिला इकाई की बैठक रविवार को ग्वालिसन गांव में जिलाध्यक्ष धर्मवीर गुलिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष सतीश छिक्कारा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष धर्मवीर गुलिया ने जिला व खंड के कार्यकर्ताओं को ग्राम समितियों के खंड स्तर पर प्रशिक्षण वर्ग लगाने बारे जानकारी देते हुए कार्यक्रम तय किए। उन्होंने बताया कि सरकार डीएसआर विधि से धान की बुआई करने पर किसान को साढ़े चार हजार रुपये की प्रोत्साहन देती है लेकिन झज्जर जिले को इस योजना से बाहर रखा हुआ है। उन्होंने बताया कि हमारे जिले में डीएसआर के अंतर्गत धान बोने वाले किसानों की संख्या में हजारों में है। पिछले रबी सीजन में गेहूं की फसल में काफी नुकसान किसानों को हुआ था जिसके लिए सरकार ने क्षतिपूर्ति पोर्टल भी खोला था लेकिन आज तक किसान को कुछ नहीं मिला है। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं रोजगार व विपणन आयाम प्रमुख संजय जाखड़ ने सभी खंडों में कार्यकर्ताओं को दायित्व देने की बात रखते हुए आयाम के बारे विस्तापूर्वक जानकारी दी। प्रदेशाध्यक्ष सतीश छिक्कारा ने समस्याओं के समाधान बारे शीघ्र ही उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिए जाने की बात कही। उन्होंने सभी किसान संघ के कार्यकर्ताओं को जैविक खेती करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ता प्रदेश के हर जिले में गौ आधारित जैविक खेती के मॉडल तैयार करेंगे जिसकी शुरुआत झज्जर जिले में हो चुकी है। इससे किसानों के लिए सर्टिफाइड जैविक प्लेटफार्म तैयार होगा ताकि किसान भी बचेगा, धरती माता भी बचेगी, पर्यावरण भी बचेगा, जीव व इंसान भी बचेगा और गो माता भी बचेगी। इस मौके पर जिला बौद्धिक प्रमुख अजेंद्र धनखड़, जिला उपाध्यक्ष बलवान सिंह, कैप्टन युद्धवीर, जिला जैविक प्रमुख रमेश कटारिया, जिला उपाध्यक्ष रवींद्र धनखड़, पवन बादली, प्रेम सिंह धनखड़, वेद सुहाग, अशोक, सूरत सिंह, आदेश, तरुण यादव, संजय धनखड़, टीनू नंबरदार, ज्ञान सिंह, सतबीर सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। ध्वजा यात्रा के दौरान श्याम भजनों की धुन पर नाचते हुए श्रद्धालु।

खाटू श्याम के जयकारों के साथ निकाली श्री श्याम ध्वजा यात्रा

झज्जर। शहर के ब्रह्मकुमारी आश्रम के सामने स्थित प्राचीन कलावती मंदिर से रविवार को प्रथम श्रीश्याम ध्वजा यात्रा निकाली गई। श्रद्धालु आनंद सिंघल व रोहित कटारिया ने बताया कि मंदिर परिसर से शुरू हुई यह ध्वजा यात्रा शहर के मुख्य बाजार व चौक-चौराहों से होते हुए वापिस मंदिर परिसर पहुंच कर संपन्न हुई। ध्वजा यात्रा में खाटू श्याम के जयकारे गूंजते रहे। इस दौरान मनमोहक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। रथ पर विराजमान खाटू श्याम की फूलों से सजी प्रतिमा आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा में डीजे बजने श्रीश्याम भजनों वाले देना हो तो दे-दे सांवरे क्यों ज्यादा तरसावे सै, ना देना तो साफ नाट क्यों लखदातार कहावे सै.., हारा हूं बाबा बस तुझपे भरोसा है, जीतूंगा एक दिन, मेरा दिल ये कहता है.. आदि पर श्रद्धालुओं ने डांस किया। मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के दर्शन करते हुए घर-परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस मौके पर विशु गर्ग, मंदिर के पुजारी विनय कुमार, डॉक्टर आनंद रोहिल्ला, कमला देवी, मीना रहेजा, वीना वर्मा, मोना रोहिल्ला, मूर्ति सक्सेना सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

श्याम संकीर्तन में भजनों के माध्यम से किया बाबा की महिमा का गुणगान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- मंदिर परिसर व बाबा श्याम के स्वरूप को फूलों से सजाया गया

झज्जर। श्रीश्याम संकीर्तन के दौरान भजनों की प्रस्तुति देते हुए गायक कलाकार। फोटो :हरिभूमि

सनातन धर्म प्राईमरी स्कूल के नजदीक स्थित प्राचीन खाटू श्याम मंदिर में श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर व बाबा श्याम के स्वरूप को फूलों से सजाया गया। हारे का सहारा मित्र मंडल द्वारा आयोजित इस प्रथम श्याम मासिक संकीर्तन में भजन गायक साहिल शर्मा, युगल शर्मा, धीरज शर्मा, रोहित सोलंकी, हरीश कौशिक, कमल सक्सेना, गुलशन शर्मा, मोहित वर्मा सहित कई कलाकारों ने भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

संकीर्तन के दौरान रोहित सोलंकी ने छोड़ेंगे न हम तेरा साथ ओ बाबा मरते दम तक, साहिल शर्मा ने भरदे रे श्याम झोली भरदे, भरदे ना बहला ओ बातों में...भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया। इस मौके पर मंदिर के पुजारी विनय कुमार, हरिओम मुदगिल, अंकुर गोयल, कृष्ण रोहिल्ला, संजय खुराना, रवि गेरा, चंद्रभान, श्याम गौरव गुप्ता सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

पुलिस कर्मियों ने थाना, चौकियों व पुलिस लाइन में किया श्रमदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। थाना परिसर में साफ सफाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

जिला पुलिस के जवानों द्वारा वातावरण एवं अपने कार्य स्थल को स्वस्थ बनाए रखने के लिए रविवार को थाना, चौकियों व पुलिस लाइन में श्रमदान अभियान चलाकर साफ सफाई का कार्य किया गया। पुलिस जवानों द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत थाना चौकी व पुलिस लाइन परिसर में पेड़ों के सूखे पत्ते, झाड़ियां बेकार की घास, कूड़ा कचरा व जालों को हटाकर साफ सफाई की गई। वहीं पुलिस लाइन परिसर में खाली पड़ी ऊबड खाबड व ऊंची नीची जमीन को भी समतल किया गया। इसके अलावा थाना चौकियों व पुलिस लाइन परिसर में लगे पौधों को पानी भी दिया गया। पर्यावरण को स्वस्थ बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ को लगाने के आहवान पर सभी पुलिस कर्मचारियों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उनकी लगातार देखभाल करने को भी कहा गया।

फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

थाना कसोला पुलिस ने चेकिंग के दौरान फर्जी नंबर प्लेट लगी चोरी की बाइक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। पुलिस जलियावास कट के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक को रुकवाकर चेक किया गया। उसके नंबर प्लेट पर लिखे नंबरों को चालानिंग मशीन में डाला, तो वह इंजन और चेसिस नंबर से मैच नहीं कर रहे थे। पुलिस ने बाइक चालक से कागजात दिखाने को कहा, तो उसने कागजात होने से इनकार कर दिया। उसने बताया कि एक अनजान व्यक्ति से उसने यह बाइक 5 हजार रुपये में खरीदी थी। उसके इस बात का पता था कि बाइक चोरी की है, परंतु लालच में आकर उसने बाइक खरीद ली। पूछताछ में उसने अपना अजय कुमार निवासी हासपुर थाना खैरथल जिला अलवर राजस्थान हाल किरायेदार आनंद नगर बावल बताया। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस बाइक चोर का पता लगाने के प्रयास कर रही है।

मशीन में आकर ऑपरेटर की उंगुली कटी कंपनी प्रबंधन के खिलाफ केस दर्ज

कसोला। औद्योगिक एरिया की एक कंपनी में कार्यरत ऑपरेटर का मशीन में हाथ आने से डॉक्टरों ने एक उंगुली काट दी। उसके बयान पर पुलिस ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में यूपी के सिसावा सौराव निवासी फूलचंद ने बताया कि कंपनी में सात साल से नौकरी कर रहा है। वह मशीन पर ऑपरेटर लगाया हुआ है। मशीन का सेंसर खराब होने के कारण 9 जून को उसका हाथ मशीन में फंस गया।

उसके दाहिने हाथ की उंगुली मशीन में दबकर खराब हो गई। कंपनी प्रबंधन ने एक प्राइवेट अस्पताल में उसे दाखिल कराया था, जहां से उसे पहले रेवाड़ी और बाद में मानेसर ले जाया गया।

वहां से रेफर करने के बाद उसे फरीदाबाद के एक अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां खराब होने के कारण डॉक्टर ने उंगुली काट दी। उसने आरोप लगाया कि कंपनी प्रबंधन की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। अब प्रबंधन की ओर से कोई मदद भी नहीं की जा रही है। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

चाची लेकर आई थी भतीजे के लिए वधू, मौका पाकर कमरे से हुई फरार

- सदर थाना पुलिस ने पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पांच साल के बेटे के साथ महिला गायब

रेवाड़ी। कंपनी में काम करने वाले थाना सदर अंतर्गत एक गांव निवासी युवक की पत्नी पांच साल के बेटे सहित लापता हो गई। युवक ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसकी शादी वर्ष 2014 में हुई थी। उसके दो लड़के हैं। उसकी पत्नी 29 मई को छोटे बेटे को लेकर फरार हो गई। तब से लेकर अब तक वह अपनी पत्नी की तलाश करता रहा, परंतु उसका कोई पता नहीं चला। सदर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद महिला व बच्चे की तलाश शुरू कर दी।

शहर के साथ लगती एक कॉलोनी में रहने वाले युवक की 23 वर्षीय पत्नी 19 जून को बिना बताए कमरे से लापता हो गई। युवक की पत्नी को उसकी चाची लेकर आई थी। उसे अपनी ससुराल तक का पता नहीं है। सदर थाना पुलिस ने पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी। मेहनत मजदूरी करके पेट पालने वाले युवक ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह मूल रूप से गुरूग्राम के एक गांव का रहने वाला है। वह यहां एक कॉलोनी में किराए का कमरा लेकर रह रहा है। उसकी पत्नी को उसकी चाची लेकर आई थी। उसी ने उसकी शादी कराई थी, परंतु उसे यह नहीं पता कि उसकी ससुराल कहां है। वह अपनी पत्नी को कमरे पर छोड़कर मजदूरी करने के लिए चला गया था। वापस अपने पर उसे पत्नी कमरे पर नहीं मिली। काफी पूछताछ करने के बाद भी उसकी पत्नी का कोई पता नहीं चल सका। उसके पत्नी के पास मोबाइल फोन भी नहीं है। सदर थाना पुलिस ने महिला का पता लगाने के लिए उसके मायके के बारे में जानकारी हासिल करने के प्रयास शुरू कर दिए।

छात्र के यौन शोषण की आरोपी टीचर काबू

- कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया

धारूहेड़ा। क्षेत्र की एक शिक्षण संस्था में 15 साल के नाबालिग का यौन शोषण करने की आरोपी टीचर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। छात्र के पिता ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि उसके बेटे को टीचर ने होटलों में ले जाकर यौन शोषण का शिकार बनाया था। पता लगने के बाद पति ने टीचर को घर से निकाल दिया था। हाईकोर्ट से अग्रिम याचिका खारिज होने के बाद पुलिस ने टीचर को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

तेरह साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाला आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मॉडल टाउन थाना पुलिस ने 13 साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान यूपी के जिला मुरादाबाद के एकता कालोनी निवासी नरेश के रूप में हुई है। गत 20 जून को एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह पिछले तीन साल से अपने बीवी बच्चों के साथ शहर में किराए पर रह रहा है। वह और उसकी पत्नी दोनों एक निजी कंपनी में साथ काम करते है। उनकी गैर मौजूदगी में उनके चार बच्चे घर पर अकेले रहते हैं। 20 जून को उनके कंपनी जाने के बाद आरोपी नरेश उनके घर पर आया और उनके तीन बच्चों को पैसे देकर दुकान पर भेज दिया। इसके बाद आरोपी ने उनकी 13 साल की बच्ची से दुष्कर्म किया और उसे किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

बैठक का आयोजन कर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विभिन्न पदों की घोषणा की

वेद बहल व विनोद भूटानी को मीडिया सचिव का कार्यभार सौंपा

- शीघ्र ही भाद्रपद माह में होने वाले मंदिर के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। चुनाव के दौरान कांशीगिरी मंदिर में उपस्थित कार्यकारिणी सदस्य। फोटो :हरिभूमि

बाबा कांशीगिरी मंदिर प्रबंधन समिति के पिछले सप्ताह हुए प्रधान पद के चुनाव में सर्व सम्मत्ति द्वारा नरेंद्र मदान को प्रधान बनाया गया था। जब उन्होंने बैठक का आयोजन कर कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विभिन्न पदों की घोषणा की है। घोषित कार्यकारिणी में प्रबंधन समिति के महासचिव की जिम्मेदारी डॉक्टर शंकर लाल ग्रोवर, कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सुधांशु हंस को तथा मुख्य कार्यवाहक की जिम्मेदारी आशीष चावला को सौंपी गई है। समिति के मुख्य संरक्षक श्रवण मदान, वीके नरूला, लक्ष्मी नारायण कठपालिया, डॉक्टर गौतम आर्य, डॉक्टर रूपचंद अरोड़ा, वीके शर्मा के संरक्षण में उप प्रधान की जिम्मेदारी विनीत नरूला, पदम खट्टर, राजकुमार चुग्घ, प्रदीप कठपालिया, हरीश ग्रोवर, नरेंद्र चावला को दी गई। इसके अलावा जहां जितेंद्र ग्रोवर, नरेंद्र पाहवा, सतीश वर्मा, मनोज चुग्घ, देवराज भुगड़ा को मंदिर समिति सचिव बनाया है वहीं वेद बहल और विनोद भूटानी को मीडिया सचिव का कार्यभार सौंपा गया है। कार्यकारिणी के अन्य पदों में योगेश रंजन को मंदिर तथा सुभाष वर्मा को धर्मशाला का इंचार्ज बनाया गया है। मंदिर परिसर में समय-समय पर होने वाले लंगर के लिए भारत भूषण नंदा, राजेंद्र वधवा, मनीष मेहता, दिनेश दुजाना, लक्ष्य वर्मा, प्रिंस सेठी को लंगर वितरण समिति का प्रभार दिया गया है। ताराचंद भूटानी और मास्टर अनिल छाबड़ा को समिति का संगठन सचिव बनाया गया है। कार्यकारिणी विस्तार के बाद प्रधान नरेंद्र मदान ने बताया कि शीघ्र ही भाद्रपद माह में होने वाले मंदिर के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार कर ली जाएगी।

वसूली और लूट में शामिल बदमाश स्पेशल सेल ने किया अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हरियाणा के जींद जिले के नरवाना इलाके में जबरन वसूली व लूट में शामिल बदमाश को अवैध विदेशी हथियार के साथ स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम नसीब बताया गया है। इसने अपने साथियों के साथ मिलकर एक किराना दुकानदार से 50 लाख की रंगदारी मांगी थी। विरोध करने पर दुकानदार को गोली भी मारी गई थी।डीसीपी अमित कौशिक के अनुसार 13 जून को लगभग 8:50 बजे, शिकायतकर्ता अपने मित्र के साथ चौपड़ा पट्टी, नरवाना, जिला जींद में अपनी किराना दुकान पर मौजूद था। तभी चार लोग स्कूटी और मोटरसाइकिल पर सवार होकर वहां पहुंचे। हथियारों से लैस बदमाश किराना दुकान में घुसे और शिकायतकर्ता से 50 लाख मांगे। मना करने पर उन्होंने उसके पेट में गोली मार दी और कैश काउंटर की चाबी छीन 2.5 लाख लूट फरार हो गये। उन्होंने शिकायतकर्ता को धमकाया और कहा कि वे अगले दिन वापस आएंगे और 50 लाख तैयार रखना। शिकायतकर्ता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 21 जून को को इंस्पेक्टर संदीप डबास, स्पेशल सेल को विशेष खुफिया जानकारी मिली कि जींद केस के कथित आरोपियों में से एक खंडा चौक, चंदर विहार, विकासपुरी के पास आएगा। इस इनपुट पर कार्रवाई करते हुए एक टीम बनाई गई और जाल बिछाकर शाम करीब 5 बजे एक संदिग्ध को खंडा चौक के पास से दबोच लिया।

खबर संक्षेप

युवक से मोबाइल व रुपये छीनकर शातिर फरार

बहादुरगढ़। दयानंद नगर में दो शातिरों ने एक युवक पर हमला कर दिया। एक शातिर मोबाइल तो दूसरा रुपये लेकर भाग गया। पीड़ित ने शातिरों का पीछा किया लेकिन हाथ नहीं आए। अब सेक्टर 9 चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में बिहार मूल के सुकांत का कहना है कि वह दयानंद नगर में रहता है और गत्ते का काम करता है। शुक्रवार की रात साढ़े 9 बजे अंडे खरीदकर अपने घर की ओर चल दिया। मेरे एक हाथ में मोबाइल तो दूसरे हाथ में मौजूद थैली में 12 हजार रुपये थे। जब अपने मकान के पास पहुंचा तो पीछे से दो लड़के आए। एक युवक ने झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया तो दूसरे ने थैली छीन ली। अंधेरे के चलते दोनों शातिर भाग गए। मैंने शोर मचाया तो मेरे साथी व पड़ोसी वहां आए। काफी देर तक हमने वे दोनों शातिर तलाशे लेकिन कहीं नहीं मिले। वारदात के कारण वह सहम गया था। उधर, पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शातिरों की पहचान के लिए पुलिस वारदात स्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज चेक कर रही है। जल्द से जल्द वारदात सुलझाने की बात कही जा रही है।

गांव पहुंचने पर लेफ्टिनेंट के स्वागत में समारोह का आयोजन

गोरिया गांव का अंकित बना लेफ्टिनेंट

उमेश भूकर ने बताया कि अंकित कुमार एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखता है जिसके पिता व चाचा भी देश सेवा कर चुके है। अंकित ने भी अपने कठिन परिश्रम, परिजनों व गुरुजनों के मार्गदर्शन से यह मुकाम हासिल कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। लेफ्टिनेंट अंकित को सम्मानित करते हुए जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना व निदेशक उमेश भूकर।

क्षेत्र के गांव गोरिया निवासी अंकित कुमार का चयन भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर हुआ है। रविवार को गांव पहुंचने पर लेफ्टिनेंट अंकित के स्वागत में एक समारोह का आयोजन किया गया।

इस दौरान जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना व पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान निदेशक उमेश भूकर गोरिया ने अंकित को फूल एवं नोटों की माला पहना कर उसका स्वागत करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उमेश भूकर ने बताया कि अंकित कुमार एक ऐसे परिवार से ताल्लुक रखता है जिसके पिता व चाचा भी देश सेवा कर चुके है।

अंकित ने भी अपने कठिन परिश्रम, परिजनों व गुरुजनों के मार्गदर्शन से यह मुकाम हासिल कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। लेफ्टिनेंट अंकित कुमार ने कहा कि उनका सपना हमेशा से देश की सेवा करना था। उन्होंने यह पद हासिल करके अपने परिवार की परंपरा को आगे बढ़ाया है। उन्होंने युवाओं से भी आह्वान किया कि वे देश सेवा के लिए आगे आएं और लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम करें।

ढाणी छुछकवास का प्रद्यूमन बना असिस्टेंट कमांडेंट

झज्जर। क्षेत्र के गांव छुछकवास की ढाणी निवासी प्रद्यूमन ने यूपीएससी परीक्षा में 85वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र व जिले का नाम रोशन किया है। असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर चयनित प्रद्यूमन के गांव पहुंचने पर जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बिरधाना, यादव सभा प्रधान राम अवतार यादव, उप-प्रधान महेंद्र यादव, सरपंच महाबीर यादव, पूर्व सरपंच अत्तर सिंह यादव, कृष्ण यादव, पाटौदा मंडल के अध्यक्ष राजपाल, हरिचंद, कैप्टन सूरजभान, मास्टर राजेश, ब्रह्मप्रकाश, भैयाराम यादव, जीतराम यादव व जगदीश आदि ने प्रद्यूमन को आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अन्य युवाओं से भी प्रद्यूमन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया।

झज्जर। असिस्टेंट कमांडेंट प्रद्यूमन को सम्मानित करते हुए राम अवतार यादव। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। लेफ्टिनेंट सुशील को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

लेफ्टिनेंट सुशील को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने भारतीय सेना में कमीशन प्राप्त कर लेफ्टिनेंट बने सुशील कुमार का रविवार को गांव डाबोदा कलां में स्वागत सम्मान किया। उनके पिता बलजीत सिंह को भी बधाई दी। एयरफोर्स से सेवानिवृत्त विधायक राजेश जून ने भरोसा जताया कि भारतीय सेना में बतौर लेफ्टिनेंट उत्कृष्ट कार्य कर सुशील बहादुरगढ़ व हरियाणा का नाम रोशन करेंगे। आईएमए देहरादून से पासआउट होने के बाद लेफ्टिनेंट सुशील कुमार की पोस्टिंग आर्मी एविएशन में हुई है।

बहादुरगढ़। लेफ्टिनेंट सुशील दलाल को स्मृति चिह्न देते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों ने किया सुशील का अभिनंदन

बहादुरगढ़। भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर सुशील दलाल जब रविवार को अपने गांव डाबोदा कलां मेहंदीपुर पहुंचे तो ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया। ग्रामीण नूना माजरा गांव से ढोल-नगाड़ों के साथ लेफ्टिनेंट सुशील दलाल को गांव के शहीद मगत सिंह स्टेडियम लेकर आए। ग्रामीणों ने बताया कि सुशील एक शानदार फुटबॉल खिलाड़ी भी है। रविवार को ग्राम पंचायत के साथ ही शिव शक्ति युवा संगठन ने स्मृति चिह्न देकर लेफ्टिनेंट सुशील दलाल का अभिनंदन किया। लेफ्टिनेंट सुशील दलाल को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया।

विधायक ने विजेता पहलवानों का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

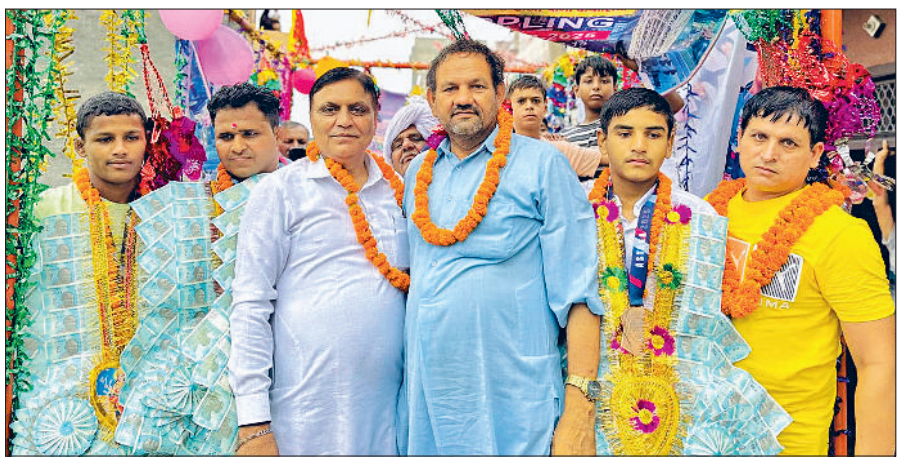

बहादुरगढ़। पदक विजेता पहलवानों को सम्मानित करते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

विधायक राजेश जून ने रविवार को मांडोठी गांव में ग्रेपलिंग वर्ल्ड कप में पदक जीतने वाले पहलवानों का सम्मान किया। उनके अनुसार बच्चों को शिक्षा के साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। खेल के क्षेत्र में भी रोजगार के सुनहरे अवसर हैं। बता दें कि कजाकिस्तान के अस्ताना में 12 से 15 जून तक हुए ग्रेपलिंग वर्ल्ड कप में रजत पदक विजेता दक्ष दलाल, कांस्य पदक विजेता प्रवीण कुमार व साहिल सैनी का रविवार को गांव मांडोठी के दादा बूढ़ा मंदिर प्रांगण में अभिनंदन किया गया। विधायक राजेश जून ने भी तीनों पदक विजेता खिलाड़ियों को नोटों की माला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आजकल खेलों में रोजगार के बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं। इसीलिए अभिभावक बच्चों को उनकी रुचि अनुसार खेलों में हिस्सा लेने को प्रेरित करें। उन्होंने नायब सरकार की खेल नीति को भी सराहा। आयोजकों ने भी विधायक राजेश जून को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

दादा डोभा धाम परिसर में तीन सौ पौधे रोपित कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

■ पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का किया शुभारंभ

झज्जर। दादा डोभा धाम परिसर में पौधरोपण करते हुए समिति पदाधिकारी एवं ग्रामीण।

क्षेत्र के गांव सिवाना के युवाओं ने रविवार को धार्मिक तीर्थ स्थल दादा डोभा धाम में तीन सौ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान सरपंच सुरेश कुमार, दादा डोभा धाम सेवा समिति के प्रधान श्रीभगवान कादियान, बाबा निर्मल दास व कमलजीत कादियान ने पौधारोपण करते हुए एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ किया। युवाओं ने बरगद, पीपल, जामुन, अमरूद, शीशम, नीम आदि के तीन सौ पौधे रोपित करते हुए उनकी देखभाल का जिम्मा भी लिया। समिति प्रधान श्रीभगवान कादियान ने कहा कि युवाओं द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाए रखने के लिए अच्छी पहल की गई है। उन्होंने कहा कि आज खासकर युवा पीढ़ी नशे की लत का शिकार हो रही है। युवाओं को चाहिए कि स्वयं इस लत से बचते हुए दूसरे युवाओं को नशा न करने के लिए प्रेरित करें।

झज्जर व बहादुरगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत 12 जुलाई को

झज्जर। विशाल, सीजेएम एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण।

झज्जर। आगामी 12 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन झज्जर एवं बहादुरगढ़ न्यायिक परिसर में किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम विशाल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत प्राधिकरण की ओर से जिला न्यायालय परिसर में तथा जिला एडीआर सेंटर में एक हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया है। जिसमें कोर्ट परिसर में आने जाने वाले लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जागरूक किया जा रहा है और लोक अदालत के फायदे बताए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए विभिन्न बैंकों, सरकारी विभागों इत्यादि के उच्चाधिकारियों के साथ सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया गया। जिसमें आम जनता को अधिकतम छूट एवं वाहन बिजली निगम, सिंचाई विभाग व पंचायती राज, जिससे आम जनता को लोन रिकवरी केस में अधिकतम छूट वाहन दुर्घटना मुआवजा में अधिकतम मुआवजा आपसी सहमति के आधार पर दिया जा सके।

बहादुरगढ़। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते विक्की शर्मा व सुमन शर्मा। फोटो : हरिभूमि

बादली में 250 ने करवाई स्वास्थ्य जांच

बहादुरगढ़। बादली में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। डीआरएक्स दवा बाजार के सहयोग से ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल व बीएलके मैक्स अस्पताल दिल्ली के डाक्टरों की ओर से शिविर में 250 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। साथ ही 35 लोगों ने जरूरतमंदों के लिए रक्तदान किया। विकास गुलिया द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारंभ बादली के सरपंच आनंद गुलिया ने किया। 250 ग्रामीणों ने लाभ उठाते हुए अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। चिकित्सकों ने लोगों को गर्मी के मौसम में अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पौष्टिक भोजन करने व जंक-फास्ट फूड से बचने का आह्वान किया। मैनेजर विक्की शर्मा व सुमन शर्मा ने बताया कि कैंप में ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल के ब्लड बैंक की टीम द्वारा 35 यूनिट रक्त का संचय किया गया। शिविर में चंद्र राम गुलिया, बलजीत गुलिया, राजेश गुलिया, समुंद्र व मास्टर विरेंद्र सहवाग आदि मौजूद रहे।

वर्मा बने इनेलो कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

बहादुरगढ़। राज सिंह वर्मा को इनेलो कर्मचारी प्रकोष्ठ का झज्जर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रविवार को इनेलो कार्यालय में उनका जोरदार स्वागत किया गया और उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी गई। वर्मा ने अपनी नियुक्ति पर इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला, प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी व इनेलो कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष बलवान सिंह दोदवा समेत पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया है। वे इस जिम्मेवारी को पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाएंगे। मौके पर भूपेंद्र नफे सिंह राठी, इनेलो शहरी जिलाध्यक्ष रामनिवास सैनी, एससी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मास्टर सुखबीर सरोहा, सोनू सैनी, बलबीर सांगवान, एडवोकेट विपिन प्रधान, सूरजमल दलाल, सतपाल सैनी, देवराज गंभीर व देवेंद्र राठी आदि भी मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। राज सिंह वर्मा को बधाई देते इनेलो पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते नकुल कौशिक।

कौशिक ने पदक विजेताओं का किया सम्मान

बहादुरगढ़। भाजपा नेता दिनेश कौशिक के पुत्र नकुल कौशिक ने कजाकिस्तान में हुए ग्रेपलिंग वर्ल्ड कप में पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। रविवार को मांडौठी में हुए सम्मान समारोह में रजत पदक विजेता दक्ष दलाल, कांस्य पदक विजेता प्रवीन कुमार व साहिल को सम्मानित किया गया। नकुल दिनेश कौशिक ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए भविष्य में भी क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि झज्जर जिले के खिलाड़ी लगातार देश दुनिया में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा सरकार की खेल नीति को सराहा। इस अवसर पर मनीष पहलवान, सुरेश मास्टर, विकास काजला व विनोद प्रजापति भी मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

आज लगेगा समाधान शिविर, सुनी जाएंगी जन समस्याएं

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि सोमवार को सुबह दस बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिस में नागरिकों की विभिन्न प्रकार की शिकायतों और समस्याओं को सुनते हुए मौके पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर प्रत्येक सप्ताह सोमवार और वीरवार को जिला मुख्यालय स्थित लघु सचिवालय में आयोजित किया जाता है। इसके अलावा उपमंडल स्तर पर लघु सचिवालयों में समाधान शिविर आयोजित हो रहे हैं जहां संबंधित एसडीएम द्वारा जन समस्याओं पर सुनवाई की जाती है।

इनेलो प्रत्याशी मोनिका राठी को 2563 वोटों से हराया था

भाजपा उम्मीदवार सरोज राठी की प्रधानी के तीन साल पूरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। चुनाव जीतने के बाद विजय जुलूस निकालती सरोज राठी का फाइल फोटो।

नगर परिषद चुनावों का परिणाम 3 साल पहले 22 जून को ही घोषित हुआ था। भाजपा उम्मीदवार सरोज राठी ने 27 हजार 415 वोट हासिल करते हुए इनेलो प्रत्याशी मोनिका राठी को 2563 वोटों से हराया था। जबकि कांग्रेस समर्थित रामभतेरी खत्री तीसरे नंबर पर रही थी। पार्षदों की बात करें तो भाजपा समर्थित 13, निर्दलीय 7, इनेलो समर्थित 6 व कांग्रेस समर्थित 5 पार्षद चुनकर बहादुरगढ़ नगर परिषद में पहुंचे थे।

बता दें कि तीन साल पहले 18 जून को नगर परिषद के चुनाव संपन्न हुए थे और मतगणना 22 जून 2022 को हुई थी। शहर के कुल 31 वार्डों में से 14 वार्डों में सरोज राठी को जीत हासिल हुई थी। जबकि 12 वार्डों में मोनिका राठी और 5 वार्डों में रामभतेरी खत्री को बढ़त मिली थी। ओमपति सैन, रोशनी मलिक और शीला राठी के बाद सरोज राठी तीसरी महिला हैं, जो नगर परिषद अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठी हैं। हालांकि वे पहली प्रधान बनी जो पार्षदों की बजाय सीधे जनता द्वारा चुनी गई। ट्रिपल इंजन पॉवर के बावजूद उनके कार्यकाल की सफलता को लेकर बोर्ड के सदस्य भी लगातार सवाल उठाते रहे हैं। इस दौरान बार-बार सफाईकर्मियों की हड़ताल, नियमित रूप से बैठकों का नहीं होना, विकास कार्यों का अपेक्षित रफ्तार नहीं पकड़ना भी लोगों में चर्चा का विषय बना रहा है।

वार्ड एक से रजनेश कुमार मोनू, 2 से अन्नू रानी, 3 से राजेश मकड़ोली, 4 से पालेराम शर्मा, 5 से ज्योति कर्मबीर शर्मा, 6 से राजेश कुमार, 7 से संदीप अहलावत, 8 से प्रवीण छिल्लर, 9 से जितेंद्र राठी, 10 से राजकुमारी धाकरे, वार्ड 11 से अशोक शर्मा, 12 से मनीषा योगेश धनखड़, 13 से मोहित राठी, 14 से सविता राजेश सैनी, 15 से प्रीति भूपेंद्र राठी, 16 से ज्योति नरेंद्र राठी, 17 से सचिन दलाल, 18 से संदीप दहिया, 19 से विशाल गर्ग, 20 से विनोद कुमार, 21 से बिजेंद्र दलाल, 22 से प्रवीण सोनू, 23 से सुनैना संजीव मलिक, 24 से अश्विनी शर्मा, 25 से रमन यादव, 26 से बलराम दलाल मिंटू, 27 से कुलदीप राठी, 28 से ज्योति पवन रोहिल्ला, 29 से सत्यप्रकाश छिकारा, 30 से नीना सतपाल राठी व वार्ड-31 से सरिता पार्षद निर्वाचित हुई थी।